

प्रेषक

जय देव सिंह
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सेवा में,

सदस्य सचिव,
राज्य विधि एवं परिसीमन आयोग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

देहरादून: दिनांक 04 फरवरी, 2016

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य विधि एवं परिसीमन आयोग, उत्तराखण्ड के अधिष्ठान हेतु आयोजनेत्तर पक्ष में पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सदस्य सचिव, राज्य विधि एवं परिसीमन आयोग, उत्तराखण्ड देहरादून के पत्रांक: /11 B/रा0वि0एवं परि0आयो0/2015 दिनांक 30-12-2015 के सन्दर्भ में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 400/xxvii(1)/2015 दिनांक 01-4-2015 तथा शासनादेश संख्या: 1336/xxvii(1)/2015 दिनांक 17 नवम्बर, 2015 के क्रम में राज्य विधि एवं परिसीमन आयोग का अधिष्ठान मद के अन्तर्गत 15 गाड़ियों का अनुरक्षण ओर पेट्रोल की खरीद मद की कुल बचत रु0 5,65,000-00 (पांच लाख पैंसठ हजार मात्र) की धनराशि का स्थानान्तरण पुनर्विनियोग मानक मद, 07 मानदेय में संलग्न आई0डी0 संख्या:-R 1601070382 दिनांक 23 जनवरी, 2016 के अनुसार करते हुए निम्न प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्तवत् स्वीकृत धनराशि का आय- व्ययक आंवटन आदेश अलग से जारी किया जायेगा।
- 2- वचनवद्ध मदों में स्वीकृत आय-व्ययक सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी को इस प्रतिबन्ध के साथ उपलब्ध करा दिया जाय कि इन मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किश्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जाय एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जाय और न अधिक व्यय भार सृजित किया जाय।
- 3- अधिष्ठान सम्बन्धी अन्य अवचनवद्ध मदों में स्वीकृत आय -व्ययक सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी को इस प्रतिबन्ध के साथ उपलब्ध करा दिया जाय कि इन मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय किश्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जाय तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जाय एवं न अधिक व्ययभार सृजित किया जाय।
- 4- पूर्व माह के व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-8 में अंकित कर प्रत्येक माह विलम्बतम 07 तारीख तक शासन को उपलब्ध करायी जाय।
- 5- उक्त धनराशि का आंवटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देते हैं जिन मामलों में बजट मैनुवल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृतियां अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।

- 6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
- 7- उक्त सभी मदों में धनराशि का व्यय बजट प्राविधान की सीमाओं में ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 8- उक्त धनराशि का उपयोग उसी निमित्त किया जाय, जिस प्रयोजन से इसे स्वीकृति दी गई है।
- 9- धनराशि का नियमानुसार उपयोग करना सुनिश्चित किया जाय तथा सर्वप्रथम पुराने देयकों का भुगतान किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 10- उक्तवत् स्वीकृत धनराशि के व्यय में मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 11- शासनादेश संख्या: 183/ xxvii-(1)/2012 दिनांक 28 मार्च, 2012, शासनादेश संख्या: 400/ xxvii-(1)/2015 दिनांक 01 अप्रैल, 2015, शासनादेश संख्या: 1336/ xxvii-(1)/2015 एवं समय-समय पर जारी शासनादेशों में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित किया जाय।
- 12- स्वीकृत आय-व्यय को आवश्यकतानुसार शासनादेश संख्या: 183/ xxvii-(1)/2015 दिनांक 28 मार्च, 2012 में दी गई व्यवस्थानुसार ऑन-लाइन अधीनस्थ आहरण-वितरण अधिकारियों के निवर्तन में रखा जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 13- उक्त पर होने वाला व्यय को चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-7 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2052 सचिवालय सामान्य सेवायें, 00 आयोजनेत्तर, 090 सचिवालय, 16 राज्य विधि एवं परिसीमन आयोग का अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अ0शा0संख्या 211-NP/xxvii(5)/2016 दिनांक 28 जनवरी, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- यथोपरि।

भवदीय,
(जय देव सिंह)
प्रमुख सचिव

पृष्ठांकन संख्या: 36 / xxxvi/2016/68(1)/2015 तद दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-5 उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, डाटा सेन्टर, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
4. वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, देहरादून।
5. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर देहरादून।

(जय देव सिंह)
प्रमुख सचिव